CENTRAL UNIVERSITY OF PUNJAB

SYLLABUS

M.A. (HINDI)

SEMESTER-1

HIN. 501 हिन्दी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल से रीतिकाल तक)

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. साहित्येतिहास संबंधी संकल्पनाएँ, साहित्येतिहास का महत्त्व, साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, काल–विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण

इकाई–2 (14 घण्टे)

3. आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य
4. आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार।

इकाई–3 (14 घण्टे)

5. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य
6. संतकाव्य, प्रमुख संतकवि और उनका योगदान
7. सूफी काव्य, प्रमुख कवि, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति व लोकजीवन के तत्त्व

इकाई–4 (14 घण्टे)

8. राम व कृष्ण काव्य, प्रतिनिधि कवि और रचनागत वैशिष्ट्य
9. रीतिकाल–नामकरण, प्रवृत्तियाँ, विभिन्न धाराएँ, प्रतिनिधि कवि व रचनाएँ

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

गणपति चन्द्रगुप्त : हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भारतन्दु भवन, चण्डीगढ़।

नगेन्द्र (संपादक) : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

नलिन विलोचन शर्मा: इतिहासदर्शन, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना

बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

रामकुमार वर्मा : हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नवसाहित्य प्रेस, इलाहाबाद।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

श्यामसुंदर दास: हिन्दी साहित्य, इण्डियन प्रैस, इलाहाबाद

HIN. 502 आधुनिक हिन्दी काव्य–1

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)

इकाई–2 (14 घण्टे)

2. जयशंकर प्रसाद कामायनी (चिंता एवं रहस्य सर्ग)

इकाई–3 (14 घण्टे)

2. सर्यूकान्त त्रिपाठी ' निराला ' : राम की शक्ति पूजा , सरोज स्मृति व कुकुरमुत्ता (काव्य संग्रह : राग विराग)

इकाई–4 (14 घण्टे)

3. रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

नगेन्द्र : साकेत : एक अध्ययन, साहित्य भण्डार, आगरा।

नगेन्द्र : कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

रामविलास शर्माः निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

गजानन माधव मुक्तिबोध : कामायनी : एक पुनर्विचार, साहित्य भारती, दिल्ली।

जगमोहन शर्माः स्वच्छंदतावाद और दिनकर, शारदा प्रकाशन, दिल्ली

HIN. 503 भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार
2. रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण,सहृदय की अवधारणा।

इकाई–2 (14 घण्टे)

3. अलंकार सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।
4. रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।

इकाई–3 (14 घण्टे)

5. वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
6. ध्वनि–सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनिकाव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत– व्यंग्य।

इकाई–4 (14 घण्टे)

7. औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

नगेन्द्र : काव्य में उदात्त तत्त्व, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।
नगेन्द्र : रस सिद्धान्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
नंद किशोर नवल : हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
देवेन्द्र नाथ शर्मा: काव्य के तत्त्व, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
भागीरथ दीक्षित : समीक्षालोक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
राजवंश सहाय 'हीरा' : भारतीय साहित्यशास्त्र कोश, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना ।
रामदहिन मिश्र : काव्यदर्पण, ग्रथमाला प्रकाशन, पटना ।
सत्यदेव चौधरी : भारतीय काव्यशास्त्र, साहित्य सदन, झांसी ।

HIN. 504 कथा साहित्य

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. उपन्यासः गोदान (मुंशी प्रेमचंद)

इकाई–2 (14 घण्टे)

2. उपन्यासः बाणभट्ट की आत्मकथा (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)

इकाई–3 (14 घण्टे)

3. हिन्दी कहानी –1 :
   1. उसने कहा थाः चंद्रधर शर्मा गुलेरी
   2. कफ़नः प्रेमचंद
   3. आकाशदीपः जयशंकर प्रसाद
   4. पत्नीः जैनेन्द्र
   5. रोजः अज्ञेय
   6. परिन्देः निर्मल वर्मा
   7. वापसीः उषा प्रियंवदा
   8. अमृतसर आ गयाः भीष्म साहनी

इकाई–4 (14 घण्टे)

4. हिन्दी कहानी –2 :
   1. त्रिशंकुः मन्नु भण्डारी
   2. पिताः ज्ञानरंजन
   3. तिरिछः उदयप्रकाश
   4. प्रेत छायाः संजीव
   5. फैसलाः मैत्रीय पुष्पा
   6. बोलने वाली औरतः ममता कालिया
   7. आक एगारसीः अलका सरावगी
   8. पत्थरों का खेलः एस.आर.हरनोट

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

इन्द्रनाथ मदानः गोदान पुनर्मुल्यांकन, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद

गोपालराय : गोदान : एक नया परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

गोपालराय : हिन्दी कहानी का इतिहास

गिरिजा रस्तोगी : मोहन राकेश और उसके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

जगमोहन चोपड़ा : आधुनिक हिन्दी उपन्यास, विक्रान्ति प्रेस, दिल्ली।

नामवर सिंहः कहानी, नयी कहानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

रामदरश मिश्रः हिन्दी उपन्यासः एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

रोहिणी अग्रवालः हिन्दी उपन्यास का स्त्री पाठ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सुधाकर पाण्डेयः आचार्य शुक्लः प्रतिनिधि निबंध, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

यश गुलाटी : प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास–1, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

HIN. 505

हिन्दी भाषाः उद्‌भव और विकास

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं – वैदिक तथा लौकिकसंस्कृत और उनकी विशेषताएं। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं – पालि, प्राकृत,शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीयआर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।

इकाई–2 (14 घण्टे)

2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार : हिंदी की उपभाषाएं – पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी,राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज और अवधीकी विशेषताएं।

इकाई–3 (14 घण्टे)

3. हिंदी का भाषिक स्वरूप : हिंदी शब्द–संरचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूपरचना, लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के सदंर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिंदी वाक्य–रचना, पदक्रम और अन्विति।

इकाई–4 (14 घण्टे)

4. हिंदी की संवैधानिक स्थिति, मानकीकरण।

5. देवनागरी लिपि : उत्पत्ति, विकास विशेषताएं और मानकीकरण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

1.किशोरीदास वाजपेयीः हिन्दी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

2. कैलाश चन्द्र भाटिया : हिन्दी भाषा, साहित्य भवन, प्रा.लि. इलाहाबाद।

3. देवेन्द्रनाथ शर्माः भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. भोलानाथ तिवारी : हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

5. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी भाषा, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली ।

6. वासुदेवनंदन प्रसाद– आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, भारती भवन पब्लिशर्ज एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

HIN. 506 **जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी**

इकाई–1

जनसंचारः अवधारणा, स्वरूप और विकास

जनसंचार के प्रमुख सिद्धांत और सिद्धांतकार

जनसंचार और हिन्दी

इकाई–2

प्रिंट मीडिया का स्वरूप (समाचार पत्र, पत्रिकाएं आदि)

प्रिंट मीडिया के लिए लेखन (संपादकीय, फीचर आदि)

प्रिंट मीडिया की भाषा

इकाई–3

इलेक्ट्रोनिक मीडिया का स्वरूप

इलेक्ट्रोनिक मीडिया के लिए लेखन (टी0वी0, रेडियो, फिल्म आदि)

कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु लेखन (समाचार लेखन, रिपार्टिंग, मनोरंजन, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन लेखन, एंकरिंग आदि)

इकाई–4

सोशल मीडिया का स्वरूप

ई– कॉमर्स, ई–बीजनस, ई–पत्रिका आदि

सोशल मीडिया की भाषा

अध्ययन के लिए पुस्तकें:

रेमंड विलियमः संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र

पी.सी. जोशीः संस्कृति विकास और संचार क्रांति

अर्जुन तिवारीः हिन्दी पत्रकारिता का वहृत इतिहास

रामशरण जोशीः साक्षात्कार सिद्धांत एवं व्यवहार

रामशरण जोशीः पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

आशा पाण्डेयः हिन्दी विज्ञापन की भाषा, ब्लैकी एंड एंन पब्लिकेशन, दिल्ली

रमेश जैनः इलेक्ट्रोनिक मीडिया लेखन, आधार प्रकाशन, पंचकूला

चंद्र कुमारः जनसंचार माध्यमों में हिन्दी, क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली

Interdisciplinary Course (Semester-1)

HIN. 509 **हिन्दी पत्रकारिता–1**

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. हिन्दी साहित्य एवं पत्रकारिता का संबंध, साहित्य के विकास में पत्रकारिता का योगदान
2. पत्रकारिता का उद्भव और विकास, विश्व पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, वाणिज्य पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, धर्म संस्कृति पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, हास्य व्यंग्य पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता

इकाई–2 (14 घण्टे)

1. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, राष्ट्रीय आंदोलन और पत्रकारिता, आज़ादी की लड़ाई में भाषाई अखबारों की भूमिका
2. हिन्दी की प्रमुख पत्र पत्रिकाएं, 21वीं सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां एवं दायित्व, मीडिया और समाज

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

कृष्ण बिहारी मिश्र : हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

अर्जुन तिवारी : जनसंचार पत्रकारिता, जयभारती प्रकाशन

कमलापति त्रिपाठी वपी॰डी॰ टंडनः पत्र और पत्रकार, ज्ञानमंडल, वाराणसी

अम्बिका प्रसादवाजपेयीः समाचार पत्र कला, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ

सुशीला जोशी : हिन्दी पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम, राजस्थानग्रन्थ अकादमी, जयपुर

वेद प्रताप वैदिक : हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,नयी दिल्ली

संजीव भानावत : प्रेस कानून और पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली

SEMESTER-II

HIN. 510 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, नामकरण, काल विभाजन, विशिष्टताएँ, आधुनिक काल व नवजागरण।

2. भारतेन्दु युग : प्रमुख प्रवृत्तियां और रचनाकार

इकाई–2 (14 घण्टे)

3. द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियां और रचनाकार

4.छायावादी काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियां और रचनाकार

इकाई–3 (14 घण्टे)

5. प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता : प्रमुख प्रवृत्तियां और रचनाकार

इकाई–4 (14 घण्टे)

6.हिन्दी गद्य का आरंभ व विकास : कहानी विधा का विकास
: उपन्यास विधा का विकास
: नाटक विधा का विकास
: निबन्ध विधा का विकास
: हिन्दी आलोचना का विकास

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

गणपति चन्द्रगुप्त : हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भारतेन्दु भवन, चण्डीगढ़।
नगेन्द्र (संपादक) : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली।
नामवर सिंहः दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
नामवर सिंहः कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
रामकुमार वर्मा : हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नव साहित्य प्रेस, इलाहाबाद।
रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना।
हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

HIN. 511

आधुनिक हिन्दी काव्य–2

इकाई–1 (14 घण्टे)

सं॰ ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय' : निम्न कविताएँ : नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी,

इकाई–2 (14 घण्टे)

गजानन माधव मुक्तिबोधः अंधेरे में (चँद का मुंह टेढ़ा है)

इकाई–3 (14 घण्टे)

नागार्जुन : प्रमुख कविताएँ

1. प्रतिबद्ध हूँ
2. सिंदूर तिलकित भाल
3. गुलाबी चूड़ियां
4. बादल को घिरते देखा है
5. बहुत दिनों के बाद
6. अकाल और उसके बाद।

इकाई–4 (14 घण्टे)

कुंवर नारायण : प्रमुख कविताएँ

1. कमरे में धूप
2. शब्दों की तरफ से
3. गुड़िया
4. एक अजीब दिन
5. उदासी के रंग
6. मैं कहीं ओर भी होता हूँ

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

रामस्वरूप चतुर्वेदी : अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : अज्ञेय, नेशनल पब्लिकेशन्स हाउस, दिल्ली।

लल्लन राय : मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, मंथन प्रकाशन, रोहतक।

चंचल चौहान : मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध कला के प्रतीक, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली।

नंद किशोर नवल : मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

सं॰ विद्यानिवास मिश्रः अज्ञेय, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली।

नागार्जुन :प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

विजय कुमारः साठोत्तरी हिन्दी कविताः परिवर्तित दिशाएं, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

HIN.402 कथेतर गद्य साहित्य

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. नाटक : चंद्रगुप्त : जयशंकर पसाद

इकाई–2 (14 घण्टे)

2. नाटक : आधे अधूरे : मोहन राकेश

इकाई–3 (14 घण्टे)

3. निबंधः चिन्तामणि भाग–1 : रामचन्द्र शुक्ल

श्रद्धा–भक्ति

लज्जा और ग्लानि

कविता क्या है

काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था

इकाई–4 (14 घण्टे)

4. जीवनी : आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

गिरिश रस्तोगीः हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
गिरिश रस्तोगीः मोहन राकेश और उसके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
जगन्नाथ शर्माः प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
पुष्पा बंसलः मोहन राकेश का नाट्य साहित्य, सूर्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
बच्चन सिंहः हिन्दी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
रामविलास शर्माः हिन्दी आलोचना और रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
रामस्वरूप चतुर्वेदीः हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस

HIN. 512 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. प्लेटो : आदर्शवाद
2. अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त एवं विरेचन सिद्धान्त

इकाई–2 (14 घण्टे)

3. होरेस : औचित्य सिद्धान्त
4. लोंजाइनस : उदात्त सिद्धान्त

इकाई–3 (14 घण्टे)

5. टो॰ एस॰ इलियट : परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा का सिद्धांत
6. आई॰ ए॰ रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त

इकाई–4(14 घण्टे)

7. मार्क्सवाद
8. मनोविश्लेषणवाद
9. अस्तित्ववाद
10. शैलीविज्ञान
11. संरचनावाद और उत्तर–आधुनिकतावाद

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

गणपतिचंद्र गुप्तः भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

देवेन्द्रनाथ शर्माः पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस

नगेन्द्र एवं सावित्री सिन्हाः पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रकाशन

निर्मला जैन : नयी समीक्षा के प्रतिमान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

बच्चन सिंह : आलोचना और आलोचक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

भागीरथ दीक्षित : समीक्षालोक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।

रामचन्द्र तिवारी : आलोचक का दायित्व, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

HIN.513 **प्रयोजनमूलक हिन्दी**

इकाई–1 (14 घण्टे)

हिंदी भाषा के विविध रूप– सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा,संपर्क भाषा, अंतरराष्ट्रीय भाषा।

हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप – प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा एवंस्वरूप, प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ

इकाई–2(14 घण्टे)

राजभाषा हिंदी : संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।

कार्यालयी हिंदी : स्वरूप और विशेषताएँ

कार्यालयी लेखन : स्वरूप, प्रकार, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन,प्रतिवेदन, अभ्यास।

इकाई–3(14 घण्टे)

सरकारी पत्राचार : स्वरूप, प्रकार, प्रारूप – परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालयआदेश, अर्धसरकारी पत्र।

व्यावसायिक पत्रलेखन : स्वरूप, प्रकार, प्रारूप – आवेदन पत्र, नियुक्तिपत्र, माँग पत्र, साख पत्र,

इकाई–4(14 घण्टे)

कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, हार्डवेअर तथा सॉफ्टवेअर का सामान्यपरिचय।

हिंदी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय और उपयोग विधि।

इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग–अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेअर पैकेज आदि।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:–

कम्प्यूटर और हिंदी – हरिमोहन (तक्षशिला प्रकाशन, 98–ए, हिंदी पार्क,दरियागंज, नई दिल्ली)

कार्यालय हिंदी में प्रयोग की दिशाएँ – संपा. उमा शुक्ल

हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा–रूप – डॉ. माधव सोनटक्के

प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया (तक्षशिला प्रकाशन,98–ए, हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली)

प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप–डॉ. राजेंद्र मिश्र/राकेश शर्मा (तक्षशिला प्रकाशन,98–ए,हिंदी पार्क, दरियागंज, दिल्ली)

प्रशासनिक कामकाजी शब्दावली – डॉ. हरिमोहन (तक्षशिला प्रकाशन,98–ए, हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली)

प्रशासन में राजभाषा हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया (तक्षशिला प्रकाशन,98–ए, हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली)

व्यावहारिक हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया (तक्षशिला प्रकाशन, 98–ए,हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली)

HIN. 514

हिन्दी पत्रकारिता

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. हिन्दी साहित्य एवं पत्रकारिता का संबंध, साहित्य के विकास में पत्रकारिता का योगदान
2. पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास, विश्व पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, वाणिज्य पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, धर्म संस्कृति पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, हास्य व्यंग्य पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता

इकाई–2 (14 घण्टे)

1. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, राष्ट्रीय आंदोलन और पत्रकारिता, आज़ादी की लड़ाई में भाषाई अखबारों की भूमिका
2. हिन्दी की प्रमुख पत्र पत्रिकाएं, 21वीं सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां एवं दायित्व, मीडिया और समाज

इकाई–3 (14 घण्टे)

1. समाचार संकलन व लेखन के सिद्वान्त : समाचार व उसके अवयव, समाचार के स्रोत,समाचार एजेंसियाँ, सम्पादकीय, फीचर व रिपोर्ताज लेखन, इलेक्ट्रोनिक मीडिया के लिएलेखन
2. सम्पादन कला के सिद्वान्त : शीर्षक, पृष्ठ विन्यास, प्रस्तुति प्रक्रिया, विभिन्न स्तंभों कीयोजना, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की योजना, प्रौद्योगिकी का प्रयोग

इकाई–4 (14 घण्टे)

3. भारत में प्रेस कानून : भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना का अधिकार,मानवाधिकार, मुक्त प्रेस की अवधारणा, प्रेस सम्बन्धी कानून व आचार संहिता, भारती प्रेसपरिषद्

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

1. कृष्ण बिहारी मिश्र : हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. अर्जुन तिवारी : जनसंचार पत्रकारिता, जयभारती प्रकाशन
3. कमलापति त्रिपाठी वपी॰डी॰ टंडनः पत्र और पत्रकार, ज्ञानमंडल, वाराणसी
4. अम्बिका प्रसादवाजपेयीः समाचार पत्र कला, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ
5. सुशीला जोशी : हिन्दी पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम, राजस्थानग्रन्थ अकादमी, जयपुर
6. वेद प्रताप वैदिक : हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,नयी दिल्ली
7. संजीव भानावत : प्रेस कानून और पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
8. अरुण जैन : पत्रकारिता और पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
9. रामचन्द्र तिवारी : सम्पादन के सिद्वान्त, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
10. एम॰के॰ दुबे : पत्रकारिता के नए आयाम, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. इन्द्रसेन सिंह : आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और साहित्यिक पत्रकारिता,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. शिवप्रसाद भारती : पत्र प्रकाशन और प्रक्रिया, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
13. अर्जुन तिवारी : इतिहास निर्माता पत्रकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
14. बच्चन सिंह : हिन्दी पत्रकारिता के नए प्रतिमान, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी

Interdisciplinary Course (Semester-2)

HIN. 518 **हिन्दी पत्रकारिता–2**

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. समाचार संकलन व लेखन के सिद्वान्त : समाचार व उसके अवयव, समाचार के स्रोत,समाचार एजेंसियाँ, सम्पादकीय, फीचर व रिपोर्ताज लेखन, इलेक्ट्रोनिक मीडिया के लिएलेखन

2. सम्पादन कला के सिद्वान्त : शीर्षक, पृष्ठ विन्यास, प्रस्तुति प्रक्रिया, विभिन्न स्तंभों कीयोजना, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की योजना, प्रौद्योगिकी का प्रयोग

इकाई–2 (14 घण्टे)

3. भारत में प्रेस कानून : भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना का अधिकार,मानवाधिकार, मुक्त प्रेस की अवधारणा, प्रेस सम्बन्धी कानून व आचार संहिता, भारती प्रेसपरिषद्

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

अरुण जैन : पत्रकारिता और पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली

रामचन्द्र तिवारी : सम्पादन के सिद्वान्त, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

एम॰के॰ दूबे : पत्रकारिता के नए आयाम, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

इन्द्रसेन सिंह : आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और साहित्यिक पत्रकारिता,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

शिवप्रसाद भारती : पत्र प्रकाशन और प्रक्रिया, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

अर्जुन तिवारी : इतिहास निर्माता पत्रकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

बच्चन सिंह : हिन्दी पत्रकारिता के नए प्रतिमान, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी

M.A. (HINDI)

SEMESTER-III

HIN.601 **भाषाविज्ञान**

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. भाषा विज्ञान–सिद्धांत पक्ष–भाषा की उत्पति के सिद्धांत, भाषा की विशेषताएं औरप्रवृत्तियां, भाषा का विकास, परिवर्तन और उसके कारण।
2. ध्वनि–विज्ञान : ध्वनियों का वर्गीकरण। ध्वनि–नियम, ग्रिम–नियम, ग्रासमेन–नियम,बर्नर–नियम।

इकाई–2(14 घण्टे)

3. अर्थविज्ञान : अर्थ–परिवर्तन, अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं (प्रकार) अर्थ–परिवर्तन केकारण।

इकाई–3(14 घण्टे)

4. वाक्य विज्ञान : स्वरूप, प्रकार, परिवर्तन के कारण।

इकाई–4(14 घण्टे)

5. भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण : वर्गीकरण का आधार, भारोपीय परिवार : महत्त्व,शाखाएं, विशेषताएं।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

कर्ण सिंह : भाषाविज्ञान, साहित्य भंडार, मेरठ

देवेन्द्रनाथ शर्मा : भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

बाबूराम सक्सेना : सामान्य भाषाविज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद

भोलानाथ तिवारी : भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद

भोलानाथ तिवारी : हिन्दी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद

रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

विश्वनाथ प्रसाद : लिंगविस्टिक सर्वे, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

विश्वनाथ प्रसाद : भाषा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

वैश्ना नारंगः समसामयिक भाषाविज्ञान, यश पब्लिशर्ज़, दिल्ली

श्यामसुन्दर दास : भाषा–रहस्य, इंडियन प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

हरदेव बाहरी : हिन्दी : उद्भव विकास और रूप, किताब महल, दिल्ली

HIN. 602 **मध्यकालीन काव्य–1**

इकाई–1 (14 घण्टे)

सरहपा – पांच पद (सहरपाः विश्वंभरनाथ उपाध्याय)

1. ब्राह्मण न जानते भेद
2. गुरु वचन संग सिद्धौ जब्बै
3. संबर चित राग दृढ चंगा
4. जौ परखै सर्प डंसै सोई मरें
5. ऊँचा–ऊँचा पावत, तई बसैं सबरि वाला

इकाई–2 (14 घण्टे)

गोरखनाथ – पांच पद (गोरख–वानी, पीतांबर दत्त बड़थवाल)

1. हबकि न बोलिबा, ठबकि न चालिबा
2. अति आहार यंद्री बल करै नासै
3. हिन्दू ध्यावै देहुरा मुसलमान मसीत
4. गोरष कहै सुणहुरे अवधू जग मैं ऐसे रहणा
5. मन मैं रहिणा भेद न कहिणां बोलिबा अंमृत बांणीं

इकाई–3 (14 घण्टे)

कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (1, 2, 3, 5, 8, 11, 12, 13, 16, 20, 22, 24,26 ,27, 30, 33, 35, 40, 46, 47, 57, 63, 64, 65, 94 व 25 पद), राजकमलप्रकाशन नई दिल्ली

इकाई–4 (14 घण्टे)

मलिक मुहम्मद जायसी – पद्मावत (कोई भी संस्करण) केवल–नागमती वियोगखण्ड।

अध्ययन के लिए पुस्तकेंः–

कबीरः हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी

कबीर एक अनुशीलन – राम कुमार वर्मा

गोरख–वानी, पीतांबर दत्त बड़थवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

तुलसीदास– डा. उदयभानु सिंह

भारतीय सौन्दर्यशास्त्र और तुलसीदास – डा. रामविलास शर्मा

जायसी– विजयदेव नारायण साही

जायसी एक नई दृष्टि – डा. रघुवंश

सहरपाः विश्वंभरनाथ उपाध्याय, साहित्य अकादमी, दिल्ली

HIN.403 **स्त्री विमर्श**

इकाई–1 (14 घण्टे)

स्त्री विमर्श : सैद्धांतिक विवेचन (परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र, परंपरा और विकास, विशेषताएं, कलापक्ष एवं महत्त्व)

इकाई–2 (14 घण्टे)

मीरांबाई (पदावली 10 पद)

इकाई–3 (14 घण्टे)

महादेवी वर्मा – शृँखला की कड़ियाँ

इकाई–4 (14 घण्टे)

हिन्दी की चुनिंदा रचनाएँः

सीमांतनी उपदेशी

हिन्दु स्त्री का पत्नीत्व

प्रेमचंद घर में एक अंश

करवा का व्रत

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

स्त्री अस्मिता के सवाल – डॉ. प्रभा दीक्षित

स्त्री उपेक्षिता – प्रभा खेतान

हिंदी नारी : कार्यशीलता के बदलते आयाम – प्रभावती जड़ीया

भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य – संपादक पुन्नीसिंह कमलाप्रसाद

भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री – चमनलाल

स्त्री लेखन : स्वप्न और लेखन – रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

साहित्य की जमीन और स्त्री मन के उच्छवास, रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

स्त्री उपेक्षिताः सीमोन द बोवुआर (अनु0 प्रभा खेतान), हिन्दी पाकेट बुक्स, नई दिल्ली।

HIN. 603 **लोक साहित्य**

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. लोक साहित्य : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं और वर्गीकरण ।
2. लोक संस्कृति तात्विक विश्लेषण ।
3. लोक संस्कृति और लोक साहित्य ।

इकाई–2(14 घण्टे)

4. अभिजात (शिष्ट) साहित्य और लोक साहित्य का अन्तः सम्बन्ध ।
5. लोक साहित्य का महत्त्व ।

इकाई–3(14 घण्टे)

6. लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों (इतिहास, समाजशास्त्र, भाषा विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र,नृविज्ञान, चिकित्साशास्त्र) से सम्बन्ध ।
7. भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास ।

इकाई–4(14 घण्टे)

8. लोक–साहित्य के प्रमुख रूपों का सैद्धान्तिक विश्लेषण (लोक–गीत, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नाटक,लोकोक्तियां, मुहावरे एवं पहेलियां ।
9. लोक साहित्य की आलोचना के मानदण्ड ।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:–

सत्येन्द्र, लोक–सहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल, आगरा ।
कृष्णदेव उपाध्याय, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
कृष्णदेव उपाध्याय, भारम में लोक साहित्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
त्रिलोचन पाण्डेय, लोक साहित्य का अध्ययन, लोक भारती, इलाहाबाद ।
गौतम व्यथित, हिमाचल प्रदेश : लोक संस्कृति और लोक साहित्य, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली ।
लोक जीवन और परम्पराएँ, कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी, शिमला ।

HIN. 604 **दलित विमर्श**

इकाई–1

दलित विमर्श : सैद्धांतिक विवेचन (परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र, परंपरा और विकास, विशेषताएं, कलापक्ष एवं महत्त्व)

इकाई–2

कहानियाँ–

सलामः औमप्रकाश वाल्मीकि

अपना गाँवः मोहनदास नेमिशराय

हक्वाईः एस.आर.हरनोट

इकाई–3

आत्मकथा– मुर्दहिया और मणिकर्णिका : डॉ. तुलसीराम

इकाई–4

उपन्यासः छप्पर : जयप्रकाश कर्दम

अध्ययन के लिए पुस्तकें:

आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श– डॉ. देवेन्द्र चौबे, ओरिएंटल ब्लैकस्वान

भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य – संपादक पुन्नीसिंह कमलाप्रसाद

भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री – चमनलाल

चिन्तन की परंपरा और दलित साहित्य –श्यौराजसिंह बेचैन

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि

दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र– शरणकुमार लिंबाले

दलित कविता का संघर्ष– कंवल भारती, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।

अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज – ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा, नई दिल्ली

M.A. (HINDI)

SEMESTER-IV

Paper-I

HIN. 607 **भारतीय साहित्य**

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. रवीन्द्रनाथ टैगोर –कहानियाँ

(पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, नस्ट नीड़, पत्नी का पत्र, नेत्रदान, पात्र और पात्री)

इकाई–2 (14 घण्टे)

2. विजय तेंदुलकर – घासीराम कोतवाल (मराठी नाटक), कथा पब्लिकेशन, दिल्ली

इकाई–3 (14 घण्टे)

3. यू॰आर॰ अनंतमूर्ति – संस्कार (कन्नड़ उपन्यास), भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

इकाई–4 (14 घण्टे)

4. गुरुदयाल सिंह –मड़ी का दीवा,साहित्य अकादमी, दिल्ली

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:–

नगेन्द्र : भारतीय साहित्य, साहित्य सदन, झांसी

नगेन्द्रः भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

भोलाशंकर व्यास : भारतीय साहित्य, चौखम्बा, वाराणसी

रामविलास शर्मा : भारतीय साहित्य की भूमिका, राजकमल, नयी दिल्ली

हजारी प्रसाद द्विवेदी : मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ, राजकमल, नयी दिल्ली

विश्वनाथ नखणे : आधुनिक भारतीय चिंतन, राजकमल, नयी दिल्ली

शिशिर कुमार दास : ए हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिटरेचर, साहित्य अकादमी, नयीदिल्ली

आर.एस.मगली : कन्नड़ साहित्य चरित्र, उषा साहित्य माला, मैसूर

HIN. 608 **मध्यकालीन काव्य –2**

इकाई–1 (14 घण्टे)

तुलसीदास– रामचरितमानस (सुंदर काण्ड) गीता प्रैस , गोरखपुर

इकाई–2 (14 घण्टे)

सूरसागर सार सटीक – सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

(क) विनय तथा भक्ति – पद संख्या 1,2,21,22,24 व 25 (6)

(ख) गोकुल लीला – पद संख्या 7,10,12,18,20,23,26,33,45 व 60(10)

(ग) उद्धव संदेश – पद संख्या 41,44,53,68,69,77,82,86 व 120 (9)

इकाई–3 (14 घण्टे)

बिहारी का नया मूल्यांकन – डा. बच्चन सिंह (प्रथम 20 दोहे) लोक भारती प्रकाशन,नई दिल्ली।

इकाई–4 (14 घण्टे)

घनानंद–धनआनंद कवित्त, (सं0) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (15 छंद)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें–

संबोधन संदर्भ और रामचरितमानस – डॉ. बैजनाथ प्रसाद

भक्ति आंदोलन और आचार्य रामचंद्र शुक्ल– डॉ. बैजनाथ प्रसाद, विशाल प्रकाशन, पटना

सूरदास– डा. हरवंश लाल शर्मा

भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय

महाकवि सूरदास – नंद दुलारे वाजपेयी

बिहारी की साहित्य साधना – डा. हरवंश लाल शर्मा

बिहारी वाग्विभूति – डा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

मीरां और आण्डाल का तुलनात्मक अध्ययन– डा. ना. सुन्दरम्

तुलसीदास– डा. उदयभानु सिंह

घनानन्द और स्वछन्द काव्यधारा, डॉ0 मनोहर लाल गौड़, का0ना0प्र0 सभा वाराणसी ।

घनानन्द का काव्य, डॉ0 रामदेव शुक्ल, मैक्मिलन, दिल्ली ।

HIN. 609 **हिन्दी आलोचना**

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. शुक्लपूर्व हिन्दी आलोचना : महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु, पद्मसिंह शर्मा, शांतिप्रिय द्विवेदी

इकाई–2**(14 घण्टे)**

2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि

इकाई–3**(14 घण्टे)**

3.हिन्दी आलोचना :हजारीप्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, नलिन विलोचन शर्मा, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह

इकाई–4**(14 घण्टे)**

4. **रचनाकार आलोचक** : प्रसाद, पंत, रामधारीसिंह 'दिनकर', अज्ञेय, मुक्तिबोध, निर्मल वर्मा

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल
आस्थाऔर सौंदर्य (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
नयी कविता का आत्मसंघर्ष व अन्य निबंध : मुक्तिबोध
एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
सर्जना और संदर्भ : अज्ञेय
रचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
छायावाद : नामवर सिंह
वाद–विवाद–संवाद : नामवर सिंह
आलोचक के मुख से : नामवर सिंह
कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
विचार का अनंत : पुरुषोत्तम अग्रवाल
आलोचना से आगे : सुधीश पचौरी
रस मीमांसा: आ0 रामचंद्र शुक्ल
शशिभूषण शीतांशु: हिन्दी आलोचना के आर पार के साक्षात्कार
महावीर प्रसाद द्विवेदी: कालिदास की निरंकुशता

HIN. 610 **हिन्दी की संस्कृति (संस्थाएँ, पत्रिकाएं, आंदोलन, केन्द्र)**

इकाई–1

संस्थाएँः नागरी प्रचारिणी सभा, बनारस, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, दक्षिण भारतीय हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

इकाई–2

पत्रिकाएँः कविवचन सुधा, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण पत्रिका, आनंदकादंबिनी, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा, सुधा, माधुरी, मतवाला, विशाल भारत, चाँद, हंस, कल्पना, सारिका, साक्षात्कार, ज्ञानोदय और नया ज्ञानोदय, साखी, आलोचना, प्रतीक, दिनमान, धर्मयुग, पहल।

इकाई–3

आंदोलनः ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली, खड़ी बोली आंदोलन, हिन्दी–उर्दू हिन्दुस्तानी विवाद, प्रगतिशील आंदोलन, नाट्य आंदोलन, लघु पत्रिका आंदोलन, दलित आंदोलन, सोशल मीडिया

इकाई–4

केन्द्रः बनारस, इलाहाबाद, कलकता, दिल्ली, हैदराबाद, लखनऊ

सहायक पुस्तकें:

नागरी प्रचारिणी सभाः वार्षिक विवरण– नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
हिन्दी साहित्य सम्मेलन का इतिहासः नरेश मेहता – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
दक्षिण के हिन्दी प्रचार का समीक्षात्मक इतिहासः पी0के. केशवन नायर – हिन्दी साहित्य भण्डार
खड़ी बोली का आंदोलनः शितिकंठ मिश्र – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानीः पदमसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
रंग दस्तावेज : सौ साल (दो खण्ड): सं0 महेश आनंद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
परिमल स्मृतियाँ और दस्तावेज : केशवचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

HIN. 612 अनुवाद : सिद्धांत एवं समीक्षा

इकाई–1 (14 घण्टे)

1. अनुवाद परिभाषा, प्रक्रिया, महत्त्व
2. अनवुाद में समतुल्यता का सिद्धांत

इकाई–2(14 घण्टे)

3. अनुवादक के गुण, द्विभाषियों की भूमिका
4. अनुवाद के प्रकार : प्रकृति के आधार पर

इकाई–3(14 घण्टे)

5. पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत, विविध प्रकार, आवश्यकता एवं महत्त्व

इकाई–4(14 घण्टे)

6. साहित्यनुवाद : कथानुवाद, नाट्यानुवाद तथा काव्यानुवाद / समस्याएं।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग – जी. गोपीनाथन (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार – जयंतीप्रसाद नौटियाल (राजकमल प्रकाशन,दिल्ली)

हिन्दी अनुवाद : समस्या और समाधान – जितेन्द्र दास (निर्मल पब्लि. दिल्ली)

अनुवाद कला– विश्वनाथ अय्यर (प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली)

अनुवाद सिद्धांत – सुरेश सिन्हा

अनुवाद प्रक्रिया – रीतारानी पालिवाल

अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी

अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं अनुप्रयोग – डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

HIN. 613 **हिन्दी नाटक और रंगमंच**

इकाई–1

नाटक और रंगमंच : अवधारणा और स्वरूप

हिन्दी नाटकः उद्‌भव और विकास

हिन्दी रंगमंचः उद्‌भव और विकास

हिन्दी नाटकः आधुनिकता बोध और प्रयोगधर्मिता

इकाई–2

जयशंकर प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना

चंद्रगुप्तः जयशंकर प्रसाद

अंधेर नगरीः भारतेन्दु हरिश्चंद्र

इकाई–3

मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिकता बोध एवं प्रयोगधर्मिता

अंधायुग का नाट्य शिल्प और अस्तित्ववाद

आधे–अधूरेः मोहन राकेश

अंधायुगः धर्मवीर भारती

इकाई–4

विभाजन मानवीय त्रासदी का रूपक

मिस्टर अभिन्युः लक्ष्मीनारायण लाल

जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याई नइः असगर वजाहत

सहायक पुस्तकें:

भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

भारतेन्दु युग और हिन्दी भाष की समस्याः रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययनः जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

हिन्दी नाटकः उद्‌भव और विकास : दशरथ औझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली

आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्शः जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

मोहन राकेश और उसके नाटकः गिरिश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

हिन्दी नाटकः बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

मोहन राकेश रंग शिल्प एवं प्रदर्शन : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली